बाणेश्वर मेला - 2025

चर्चा में क्यों?

डूंगरपुर ज़िले के **बेणेश्वर धाम** पर बेणेश्वर मेले का 8 से 12 फरवरी 2025 तक आयोजन किया गया।

मुख्य बिंदु

- **मेले के बारे में:**
  - यह मेला भीलों की समृद्ध आदिवासी संस्कृति को प्रदर्शित करता है और इसे **"आदिवासियों का कुंभ मेला" कहा** जाता है।
  - बाणेश्वर मेला राजस्थान के **डूंगरपुर ज़िले में** आयोजित होने वाला एक विशाल **आदिवासी मेला** है। यह जनवरी या फरवरी के महीनों में आयोजित होने वाला एक **वार्षिक उत्सव** है, जो **बाणेश्वर महादेव (भगवान शिव) को समर्पित** है।
  - इस पवित्र अवसर पर **गुजरात, राजस्थान और मध्य प्रदेश से भील लोग यात्रा** करते हुए आते हैं ताकि नदियों के **(माही और सोम के) संगम पर** डुबकी लगा सकें।
- **इतिहास**
  - यह मेला वास्तव में दो मेलों का संयोजन है - एक शिव मंदिर में और दूसरा विष्णु मंदिर में आयोजित किया जाता है।
  - बाणेश्वर नाम की **उत्पत्ति डूंगरपुर के शिव मंदिर में स्थित शिव लिंग से हुई है।** स्थानीय भाषा में, बाणेश्वर का अर्थ है **'डेल्टा का स्वामी'**। यह मेला डेल्टा पर आयोजित किया जाता है, जो सोम और माही नदियों के संगम से बनता है।
  - यह मेला **500 वर्ष पहले शुरू** हुआ था जब मावजी की पत्नी जनकुंवरी ने अपने ससुर के लिये एक विष्णु मंदिर बनवाया था क्योंकि उनका मानना था कि मावजी **भगवान विष्णु के अवतार थे।**
- **सांस्कृतिक कार्यक्रम व खेल:**
  - बेणेश्वर मेले के दौरान **ज़िला प्रशासन, पर्यटन विभाग** और **जनजाति विकास विभाग** की ओर से कई सांस्कृतिक व खेलकूद कार्यक्रम आयोजित किये गए, साथ ही पुरुष और महिला वर्ग की एथलेटिक्स, सतोलिया प्रतियोगिता आयोजित की गई।
  - इसी प्रकार **तीरंदाजी, वालीबॉल, रस्साकसी** महिलाओं की मटका दौड़, भजन मंडली, साफा बाँधो प्रतियोगिताएँ आयोजित की गईं।

डूंगरपुर ज़िला

- डूंगरपुर ज़िले के संस्थापक **डूंगरसिंह (1358) थे**। यह राजस्थान का **तीसरा सबसे छोटा ज़िला** है।
- **सीमा साझा**: यह चार ज़िलों **उदयपुर, बांसवाड़ा, प्रतापगढ़ व सलूंबर** के साथ सीमा साझा करता है।
  - **इसकी गुजरात से अंतर्राज्यीय सीमा लगती है।**
- **दर्शनीय स्थल:** डूंगरपुर में **जूना महल, उदई बिलास पैलेस, गैब सागर झील और बादल महल** प्रमुख ऐतिहासिक महत्त्व के स्थल हैं।
- स्वतंत्रता प्राप्ति से पहले डूँगरपुर तथा बॉसवाड़ा का क्षेत्र **'वागड़'** कहलाता था।
- यह राज्य में सर्वाधिक लिंगानुपात (994) वाला ज़िला है।
- यह ज़िला चारों ओर से **अरावली की पहाड़ियों** से घिरा हुआ है।
- राज्य में **अरब सागर मानसून की शाखा** सर्वप्रथम डूँगरपुर ज़िले में ही प्रवेश करती है।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/baneshwar-fair-2025